

INDEX

NAME: BISHWANATHAN BHARTI STD.: B.Ed. SEC. 2015-17 ROLL NO. 6032096

S.NO.	Date	Title	Page No.	Teacher's Sign./ Remarks
1		Meaning and Concept of Art.	1	
2		कला की प्रकृति	3	
3		कला का महत्व	5	
4		कला शिक्षा का अर्थ	7	
5		कला का अन्य विषयों से संबंध	9	
6		Visual and Performing Art	13	
7		चित्र कला	15	
8		संगीत	19	
9		कला और शिक्षा में संबंध	20	
10		हस्त कला	22	
11		चित्र कला	24	

Meaning and Concept of 'Art'

कला एक ऐसा विषय है जिसमें विभिन्न क्रियाओं व गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक मिलती है। कला का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है व कला शिक्षण का उद्देश्य केवल छात्रों का संज्ञानात्मक विकास ही नहीं अपितु क्रियात्मक विकास व्यवहारगत परिवर्तनों को लाते हुए छात्रों को आत्मनिर्भर व जीवन जीने की कला सिखाना है।

कला शिक्षण के माध्यम से छात्रों में विचारों, भावों, अनुभवों, धारणाओं प्रतिक्रियाओं की स्वच्छन्द रूप से आत्म अभिव्यक्ति को विकसित करने के लिए अवसर प्रदान किए जाते हैं।

यह एक ऐसा विषय है जो छात्रों के जीवन में से नीरसता को दूर कर कल्पनाओं के रंग भरता है। छात्रों के सृजनात्मकता व नवीनता को अपनाने के लिए प्रेरित करता है तथा उनमें रुचि व समझ विकसित करते हुए प्रत्येक कार्य को पूर्ण लगन व मेहनत से करने के लिए तैयार करता है।

चित्रांकन, नृत्य, नाटक, शकांकी,



Bhangra (Punjab)
भांगड़ा (पंजाब)



Haryana Folk Dance
हरियाणा लोक नृत्य



Santhal Dance (Bihar)
संथल नृत्य (बिहार)



Garba Dance (Gujarat)
गरबा नृत्य (गुजरात)

शिल्पकारी, रेखाचित्र, रंग करना आदि इनमें से किसी भी रूप द्वारा अपनी भावनाओं को व्यक्त करना कला कहलाता है।

यह एक ऐसा माध्यम है जो सभी सीमाओं व बन्धनों से मुक्त है किसी न किसी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए इसे अद्यतनाया जाता है यह लोक पराचाट्य शास्त्रीय नवीन प्राचीन सभी रूपों को अपने में समेटे है तथा इसके द्वारा प्रत्येक छात्र की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है।

कला एक ऐसा विषय है जिसके द्वारा छात्रों को अपनी जिज्ञासा, रुचियों भावनाओं आदि को सन्तुष्ट व विकसित करने के लिए भरपूर अवसर प्राप्त होते हैं। इसके माध्यम से वह अपने समय का उचित रूप से प्रयोग कर सकते हैं।

यह कोई अलग-अलग विषय नहीं है अपितु यह अन्य विषयों से व अन्य विषय इसका अंग उसी प्रकार है जैसे आत्मा का शरीर से सम्बन्ध है यह आपस में एक दूसरे के पूरक हैं।

कला की प्रकृति

Nature of Art :-

- i) कला शिक्षण द्वारा छात्रों को अपने अन्य विषयों के अध्ययन में आर्जित सैद्धान्तिक ज्ञान को व्यवहारिक दृष्टिकोण के अवसर मिलते हैं।
- ii) यह एक सतत व विस्तृत प्रक्रिया है। इसका क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है तथा हर पल इसमें कुछ न कुछ नया जुड़ता रहता है।
- iii) इसमें उन सभी अनुभवों का समन्वय होता है जिसमें कुछ न कुछ सिखने को मिले फिर चाहे वह अनुभव अच्छे या बुरे हों।
- iv) यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है इसमें प्रत्येक के लिए कुछ न कुछ है।
- v) यह ज्ञानात्मक व व्यवहारात्मक अनुभवों से

Importance of Art

कला का महत्व :

- i) कला हमारे भावों को गति प्रदान करती है।
- ii) कला हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति का सरल साधन है।
- iii) यह बच्चों में सृजनात्मकता की भावना को जन्म देती है।
- iv) बच्चे लगन व ईमानदारी से काम करना सिखते हैं।
- v) कला हमारी उन्नति का आधार है।
- vi) यह आत्मलोचना व आत्म निरीक्षण में मदद करती है।
- vii) प्रचार की दुनिया में दिन-प्रतिदिन इसका महत्व अधिक होता जा रहा है।



Dandiya Dance (Gujarat-Maharashtra)
डांडिया नृत्य (गुजरात-महाराष्ट्र)



Lavni (Maharashtra)
लावणी नृत्य (महाराष्ट्र)

- vii) यह संगठन की भावना को पैदा करती है
- (x) यह योजनाएं बनाने में सहायता करती है।
- x) यह हमारी कल्पना शक्ति को विकसित करती है अतः कला का हमारे दैनिक जीवन में अपना ही महत्व है।

कला-शिक्षा का अर्थ :-

सुन्दरता और मधुरता लाने वाली वस्तु को कला कहा जाता है। कला का मानवीय जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। कला मानवीय जीवन की आवश्यकता थी है और अनिव्यक्ति भी हर देश-काल तथा संस्कृति का व्यक्ति की आधारभूत आवश्यकताओं के साथ गहरा नाता रहा है। वास्तव में कला ऐसा सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने भावों की अभिव्यक्ति करता है।

आदिकाल से ही कला मनुष्य भावनाओं की आवश्यकताओं को पूर्ति करती आई है। इसीलिए कला-शिक्षा मानवीय जीवन का अनिवार्य अंग बन गई है।

हमारे विचार से काव्य में कला का मूल लक्ष्य सौन्दर्य ही होना चाहिए किन्तु उसमें अनैतिक तत्वों का ऐसा मिश्रण न हो कि वह समाज को क्षति पहुँचाने लगे हों उसमें कलात्मकता को ठेस पहुँचाएँ बिना कुछ उपयोगी तत्वों का भी समावेश किया जा सके तो वह उसका विशिष्ट गुण होगा।



Dhankoot (Meghalaya)
 धानकूट नृत्य (मेघालय)



Nagaland Folk Dance
 नागालैण्ड लोक नृत्य

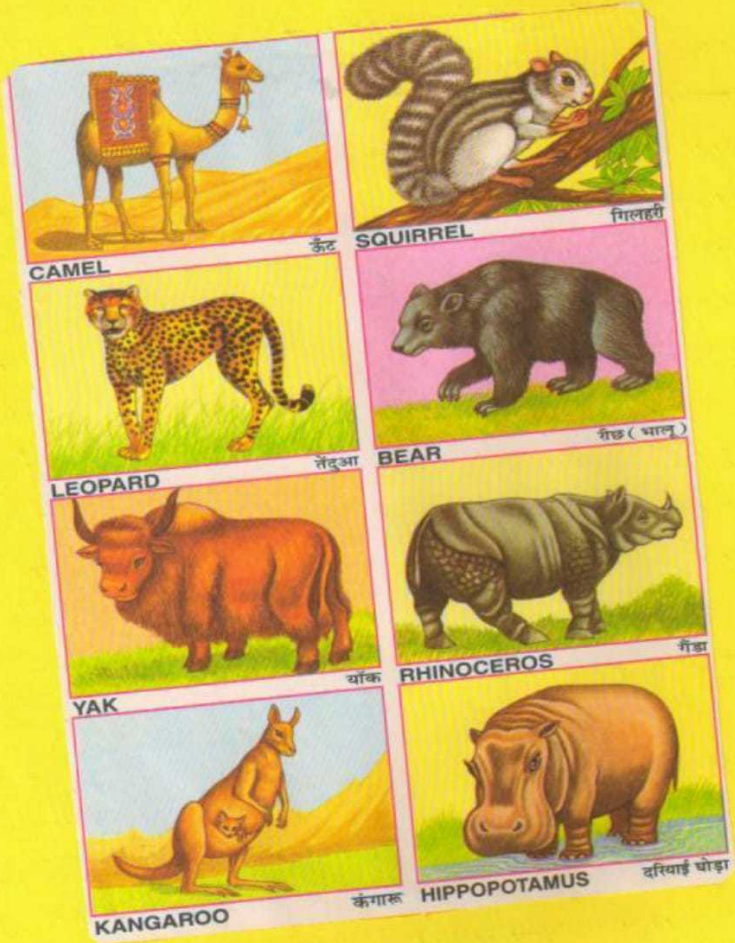
जिस प्रकार सृष्टि में प्रातः काल तथा
सांय काल होती है ठीक उसी प्रकार ये कला
के क्षेत्र में भी होती हैं।

कला का अन्य विषयों से सम्बन्ध :-

कला का अनेक विषयों की शिक्षा से गहरा संबंध है मनुष्य का जिस दिन से जन्म हुआ है या यूँ कहिए कि मानव जितना पुराना है कला भी उतनी ही प्राचीन है मनुष्य का समाज देश-विदेश सभी से संबंध रहा है इसी प्रकार उसका सभी देशों की कलाओं शिक्षाओं से नाता स्वाभाविक ही जुड़ जाता है उसी प्रकार कला सभी अन्य विषयों के साथ संबंध रहा है। लेकिन वर्तमान में कला शिक्षा जीवन का एक उपयोगी अंग बन गई है कला जीवन की अभिव्यक्ति बन गई है।

कला तथा इतिहास :-

कला का इतिहास से अटूट संबंध है क्योंकि जैसी कला होगी वैसा ही इतिहास होगा क्योंकि उस युग की धारणाएँ, वस्तुओं के चित्र, समय-चार्ट नक्शे, मानव के रहन-सहन के चित्रों में इतिहास स्वयं निवास करता है इतिहास की धाँसी में कला में पढ़ाने के लिए उस कला की आवश्यक होगी।



CAMEL

कैद



SQUIRREL

गिलहरी



LEOPARD

लेदुआ



BEAR

गैड (भालू)



YAK

याक



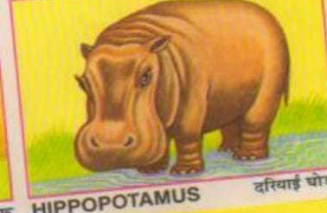
RHINOCEROS

गैडा



KANGAROO

कंगारू



HIPPOPOTAMUS

दरियाई घोड़ा

कला तथा भूगोल का संबंध :-

भूगोल से संबंधित जंगल नदी नाले, पहाड़ व अनेक प्रकार के जीव जन्तु की जानकारी हमें कला के द्वारा ही होती है क्योंकि भूगोल की जो स्थिति या होती है, उसी प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक व्यक्ति का ज्ञान व देखना असम्भव होता है कला के द्वारा हम घर बैठे ही उनका ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं अतः कला का भूगोल से गहरा संबंध रहा है।

कला तथा विज्ञान का संबंध :-

विज्ञान से संबंधित अनेक प्रकार की खोजें चित्रों के माध्यम से मानव तक पहुँच पाती है क्योंकि प्रत्येक मानव सभी जगह पर नहीं पहुँच पाता इसीलिए उसे चित्रों के द्वारा विज्ञान का ज्ञान आसानी से हो जाता है।

कला तथा अंकगणित :-

विभिन्न प्रकार की रेखाओं रेखाओं का ज्ञान कला के

द्वारा ही संभव है त्रिशुज, वर्णकार, गोलाकार तथा अनेक प्रकार की आकृतियों को समझाने के लिए कला का सहारा लिया जाता है।

कला तथा भाषा का संबंध:-

जब मनुष्य बोलना नहीं जानता था तो वह अपनी अभिव्यक्ति चित्रों के माध्यम से ही स्पष्ट करता था और जब मानव ने वर्ण चिह्नों को बूँद लिया तो उसने उनको लिखने के लिए भी कला का ही सहारा लिया। अतः स्पष्ट है कि भाषा के आने से पहले कला आ चुकी थी और बाद में भाषा व कला का अभिन्न संबंध स्थापित हो गया।

कला तथा नागरिक शास्त्र का

संबंध:-

कला तथा नागरिक शास्त्र का गहरा संबंध रहा है चित्रों की सहायता से नागरिक शास्त्र को भली-प्रकार समझाया जा सकता है मंत्रिमंडल, संसद,

Visual and Performing Art



Meaning of Visual Art

दृश्य कला का अर्थ :-

मानव मन के अंतर्निहित भाव जब किसी माध्यम द्वारा अभिव्यक्ति पाकर सौन्दर्य के प्रति आकृष्ट होते हैं तो उसे कला कहते हैं कवि चित्रकार, मूर्तिकार वास्तुकार व संगीतकार इन कलाओं से निकल का नाता होता है और निकल का अनुराग भी।

दृश्य कला :-

दृश्य कला वे कलाएँ हैं जिनका आनंद आँखों द्वारा लिया जा सकता है जिन चित्रों को देख कर आनंद मिले वे दृश्य कलाएँ हैं दृश्य कलाओं में निम्नलिखित विषयों को शामिल किया जाता है - चित्रकला, मूर्तिकला वास्तुकला, नृत्यकला

सबसे पहले हम चित्रकला करने से
पहले हमें चित्र तथा कला शब्दों के अर्थों
को जानना होगा।

चित्रकला



चित्रकला का अर्थ :-

मानव द्वारा अपने अलम्बन में निहित भावों को अभिव्यक्ति के जिस माध्यम द्वारा फलक पर रेखा-ओं और रंगों की सहायता से आकर्षक रूप अभिव्यक्ति किया जाता है उसे चित्र-कला कहते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में चित्रकला

का स्थान :-

- i) चित्रों के माध्यम से कलात्मक प्रतिभा का विकास होता है।
- ii) चित्र के माध्यम से किसी भी देश व समाज की संस्कृति एवं सभ्यता के विकास का ज्ञान होता है।
- iii) किसी भी प्रकार का विज्ञापन चित्रकला

से ही संभव हो पाता है।

- iv) मानचित्र चित्रों को देखने और बनाने से किसी भी देश का खान-पान वेशभूषा जीवनस्तर आदि के विषय में सब तरह का ज्ञान हो जाता है।
- v) साक्षरता के प्रचार में भी चित्रकला का अपना विशिष्ट योगदान रहा है।

मूर्तिकला :-

एक मूर्तिकार अपनी मूर्ति के माध्यम से अपनी भावों की इन्द्र-धनुषी दुनिया को हमारे सामने उजागर करता है जिस प्रकार एक कवितानकार अपने भावों को कविता पंक्तियों में बिखेरता है। ठीक उसी प्रकार मूर्तिकार भी पुराने जमाने से लेकर आज तक अनेकों मूर्तियाँ मूर्ति कला के माध्यम से उत्कृष्ट सौन्दर्य अभिव्यक्ति करती रही हैं।

मूर्तिकार पत्थर धातु लकड़ी मिट्टी आदि को काट-छाट कर अपनी विशिष्ट कल्पना के अनुरूप उसको आकार देता है।



वास्तु कला :-

वास्तु कला गतिहीन कला के अन्तर्गत आती है वास्तुकार ईंट, लोहा, पत्थर जैसी शुष्क और कठोर वस्तु भी संगीत जैसी आमूर्त कला को प्रवाहित कर देते हैं कुतुब मीनार, ताजमहल, लाला किला, सोमनाथ का मंदिर, निराला मन्दिर, कामेश्वरी का मंदिर आदि दक्षिण भारत की मध्य इमारते भारतीय वास्तुकला की श्रेष्ठता के जीवंत उदाहरण हैं एक वास्तुविद् विशाल सुंदर आकर्षक सुदृढ़ संरचनाओं का निर्माण करता है। जिसमें स्तम्भ तोरण आदि शोभयमान कृतियां लगी होती हैं।

नृत्य कला :-

अपने भावों को अंग संचालन द्वारा प्रकट करना नृत्य कहलाता है। नृत्य का इतिहास उतना ही प्राचीन है जितना की मानव जाति का इतिहास मानव द्वारा अपने भावों को अंग संचालन द्वारा प्रकट करने के प्रयास नहीं नृत्य को जन्म दिया। ऋषि भरत ने तो उसे सब कलाओं में

सर्वश्रेष्ठ माना है आज भी इसका महत्व
निर्विवाद भारतनाट्यम, कथक कुचीपुडी
ओडिसी भारत के प्रसिद्ध नृत्य कलाएँ हैं
कौन ऐसा आदमी जो एक अच्छे नाच
के आगे अपना दिल ना खो बैठे।

डाईंग -

डाईंग शब्द का अर्थ
है खींचना जब किसी चित्र की सही रूप
कॉपी की जाती है तो उसको हम
साधारण खोल-चाल में डाईंग कहते
हैं। किसी व्यक्त पर नुकीले यन्त्र से
खरोंच देना ही डाईंग कहलाता है।
रेखांकन के लिए पैल पैन्सिल या लोहे
की कील का प्रयोग किया जा सकता है।

Performing Arts

प्रदर्शन कलाएँ :-

कला शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है - कम् + ला। कम का अर्थ है - आनंद तथा ला का अर्थ है लाता - लाना अर्थात् आनंद लाने वाली क्रियाएँ। हम इस बात को इस प्रकार से स्पष्ट करेंगे कि वे क्रियाएँ जिन्हें करते देखने सुनने से आनंद की अनुभूति हो वह प्रदर्शन कलाएँ कहलाती हैं। प्रदर्शन के द्वारा पहचानी जाने वाली दो कलाएँ हैं - संगीत कला तथा नृत्य कला।

Musical {संगीत} :-

संगीत मनुष्य जीवन का एक आवश्यक अंग है यह प्राचीन काल से ही मानव के साथ जुड़ा है। संगीत प्रकृति के कण-कण के साथ जुड़ा है। सांघ जो उसे विषैले प्राणी संगीत के आगे मस्त होकर और कैद स्वयं करवा लेते हैं। यह संगीत का ही प्रभाव है कि मृग संगीत की ताल पर बाण की चपेट सहता है और पकड़ा जाता है।

कला और शिक्षा में संबंध

कला शिक्षा का अर्थ :-

कला तथा शिक्षा में गहरा संबंध है, क्योंकि कला शिक्षा का माध्यम साधन है। मनुष्य को सामाजिक प्राणी बनाने में शिक्षा का गहरा योगदान है।

मानवीय जीवन के तीन पक्ष हैं।

i) ज्ञानात्मक

ii) भावात्मक

iii) क्रियात्मक

ज्ञानात्मक, भावात्मक, क्रियात्मक कला इन तीनों पक्षों को विकसित करने में मदद करती है प्रकृति ने मानव को संवेदनशील बनाया है।



NIGHTINGALE बूलबुल



SWAN

हंस



DUCK

बत्तख

मानव मस्तिष्क आकृतियों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करता है। टेढ़ी-मेढ़ी रेखाओं के माध्यम से मानवीय बच्चों को टेढ़ा-मेढ़ा लिखना सिखाया जाता है। रेखाओं के माध्यम से उसकी भावनाओं को विकसित किया जाता है। रेखाओं को बनाने वाले हाथों को क्रियाशील बनाया जाता है। अतः कला का अर्थ है - बच्चों के व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास आधुनिक समय में कला जीवन का अनिवार्य अंग बन चुका है।

हस्तकला

हस्त कार्य के प्रति स्वरूप दृष्टिकोण :-

कार्य अनुभव की सहायता से विद्यार्थी को हाथ से कार्य करने के जो अवसर उपलब्ध होते हैं उनसे हाथ से काम करने की अच्छी आदत उसमें विकसित होती है अब वह हाथ से कार्य करने से निम्न चीजें बना सकते हैं, जिसको बाजार में बेचकर धन कमाया जा सकता है जिससे निर्धनता की दर कम हो सकती है इसीलिए हस्तकार्य बहुत ही अच्छा कार्य है। हाथ से हम चित्रकला, ड्राईंग बना सकते हैं और घर को सजाने के लिए रंगीली बना सकते हैं।

हस्तकला का अर्थ है कि अपने हाथों के द्वारा बनाई गई कला हम अपने हाथ से किसी भी प्रकार की कला कर सकते हैं।



EAGLE

बाज़



VULTURE

गिद्ध



OWL

उल्लू



COCK

मुर्गा



PIGEON

कबूतर



MYNA

मैना

जैसे -

कढ़ाई - बुनाई, शिल्लवाई,
पेंटर इत्यादि किसी भी डिजाइन
की कला कर सकते हैं इस प्रकार
की कला को करके हम धन कमा
सकते हैं।



PEACOCK

मोर



PARROT

तोता



HEN

मुर्गी

चित्रकला

चित्रकला की परिभाषा :-

कला मानव की भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम है इसी लिए चित्रकला चित्रों के माध्यम से अपनी अनुभूतियों को अभिव्यक्त करता है चित्रकला दो शब्दों से मिलकर बना है - चित्र + कला जिसका अर्थ होता है कि चित्र का शाब्दिक जो चित्रकला की परिभाषा के संदर्भ में कहा जा सकता है कि मनुष्य जब अपने हृदय की भावनाओं को रेखाओं के द्वारा प्रकट करता है तथा उसमें सँदरता की भी धार हो तो उसे साधारण कोला-चाल की भाषा में चित्रकला कहते हैं।

चित्रकला के माध्यम से हम अनेक प्रकार के चित्र बना सकते हैं और हम उन चित्रों में सुंदर-सुंदर रंग भी



CROW

कौवा



SPARROW चिड़िया



CUCKOO

कोयल



STORK

सारस



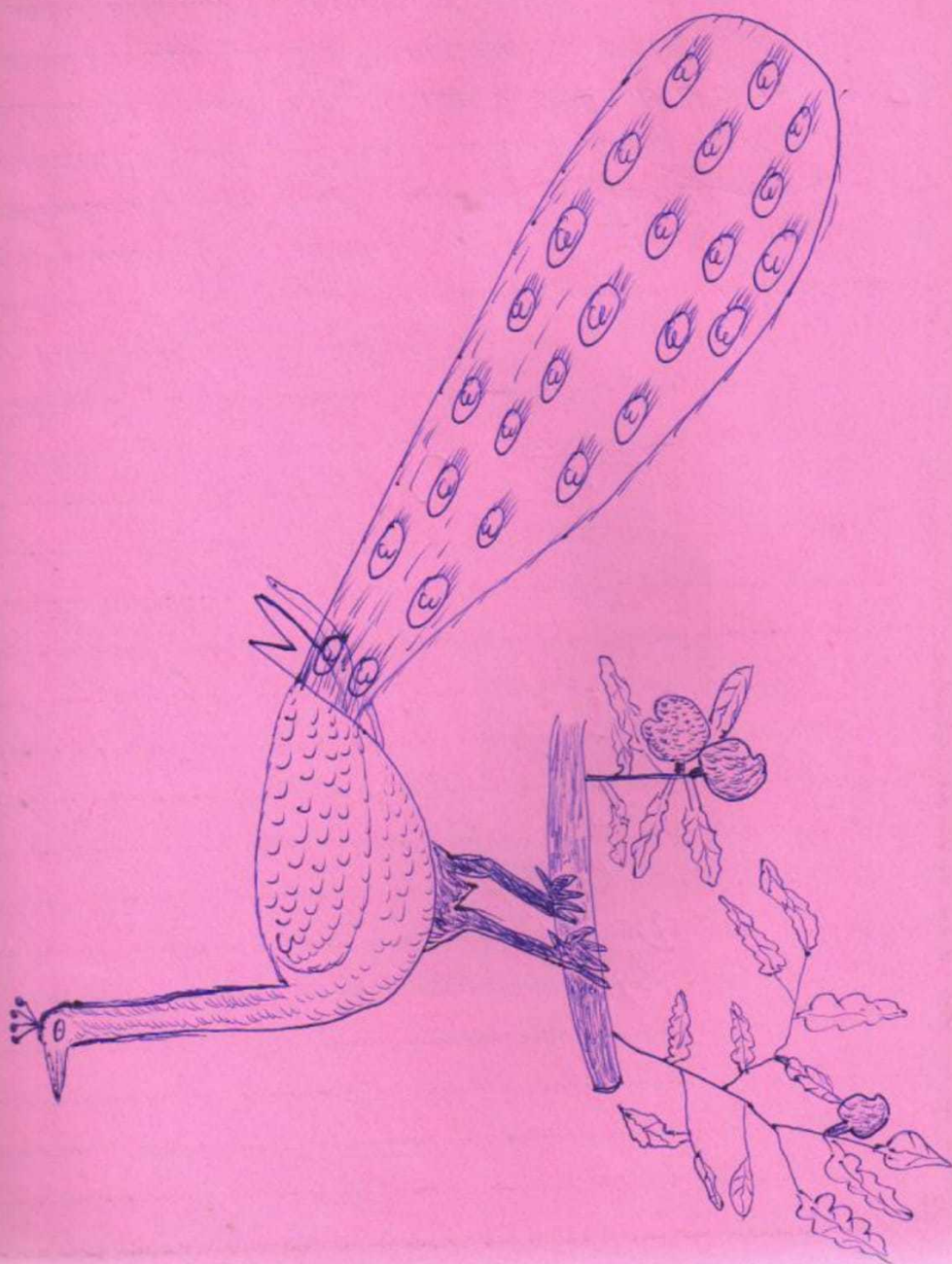
WOOD-PECKER कठफोड़वा



KITE

चील

भार सकते हैं जिससे की हमारे
चित्र सुंदर दिखाई देते हैं चित्रकला
के माध्यम से हम पेंटिंग भी कर
सकते हैं हमारे जीवन में चित्रकला
का भी बहुत महत्व होता है। चित्रकला
के माध्यम से हम अपने जीवन को
सुखमय बना सकते हैं।



डाईंग

डाईंग शब्द का अर्थ :-

डाईंग शब्द का अर्थ है 'खींचना' जब किसी चित्र की सही रूप से कॉपी की जाती है तो उसको हम साधारण बोल-चाल में डाईंग कहते हैं। इस प्रकार डाईंग की परिभाषा देने के लिए कहा जा सकता है कि नुकीले औजार के माध्यम से खींचा हुआ या निर्माण किया हुआ कृत्य या कृति डाईंग कहलाती है। इस प्रकार हम इसे *out line* या स्तर पर नुकीले अंग्रेज से खरोच देना कहते हैं। इसमें पैन या पेंसिल का प्रयोग किया जा सकता है किसी भी फार्म या सतह के माध्यम से डाईंग की जा सकती है। डाईंग करते समय हमें निम्न चीजों की जरूरत होती है।

जैसे - परकाल, पेंसिल, स्वर, कटर फुदटा इत्यादि चीजों की जरूरत होती है। अगर हमारे पास फुदटा होगा तो ही हम सही रेखा खींच सकते हैं।



Importance of Music

MUSIC

भूमिका :-

संगीत से बहुत प्रसन्नता आनंद और सौन्दर्य का अनुभव होता है मानव अपने मन के भावों को प्रकट करने के लिए सदैव किसी न किसी कला का आश्रय लेता आया है चित्रकार अपने भावों को रंग द्वारा और रेखाओं द्वारा प्रकट करता है जबकि कवि शब्दों के द्वारा और संगीतकार स्वरों तथा के द्वारा प्रकट करता है मानव की आयु समय वातावरण सुख-दुःख स्वागत और विदाई आदि विभिन्न प्रकार के संगीत विभिन्न परिस्थितियों का प्रस्तुतीकरण करते हैं।

संगीत का अर्थ :-

संगीत में गायन-वादन और नृत्य का समावेश है अर्थात् गाना-बजाना और नाच



Himachal Folk Dance
हिमाचल लोक नृत्य

Bihu Dance (Assam)
बिहु नृत्य (असम)



Manipuri (Manipur)
मणिपुरी नृत्य (मणिपुर)

Rajasthan Folk Dance
राजस्थान लोक नृत्य

नाचना तीनों कलाओं का समावेश है इस प्रकार गायन और वादन और नृत्य तीनों कलाओं के सम्मिलित रूप को संगीत कहते हैं।

संगीत के प्रकार

- i) गायन
- ii) वादन
- iii) नृत्य

गायन:-

जब हम शब्द स्वर और ताल के माध्यम से अपने भावों को प्रकट करते हैं तो उसे गायन कहते हैं। जैसे- गीत, भजन इस के मुख्य प्रकार हैं।

वादन:-

जब स्वर लय और ताल के साथ किसी वाद्य यंत्र (सितार, सारंगी, बासुरी) आदि को बजाया जाता है तो संगीतकार अपने भावों को उनकी सहायता से व्यक्त करता है। सितार बासुरी तथा सितार आदि को वाद्य यंत्र कहा जाता है इनकी सहायता से हम वादन कर सकते हैं।



Andhra Folk Dance
आन्ध्र लोक नृत्य



Mali (Madhya Pradesh)
माली नृत्य (मध्य प्रदेश)



Natraj
नटराज



Rouf Dance (Kashmir)
रूफ नृत्य (कश्मीर)

नृत्य :- भिन्न-भिन्न प्रकार की भाव
मुद्राओं तथा अंग-अंग संचालन द्वारा
अपने मन की भावनाओं की अभि-
व्यक्ति करना ही नृत्य कहलाता है
नृत्य के विभिन्न प्रकार हैं।
जैसे - कथककली, मणिपुरी नृत्य, ओडिसी
नृत्य कथक, भरत-नाट्य म्
इत्यादि।



Kathakali (Kerala)
कथकली नृत्य (केरल)

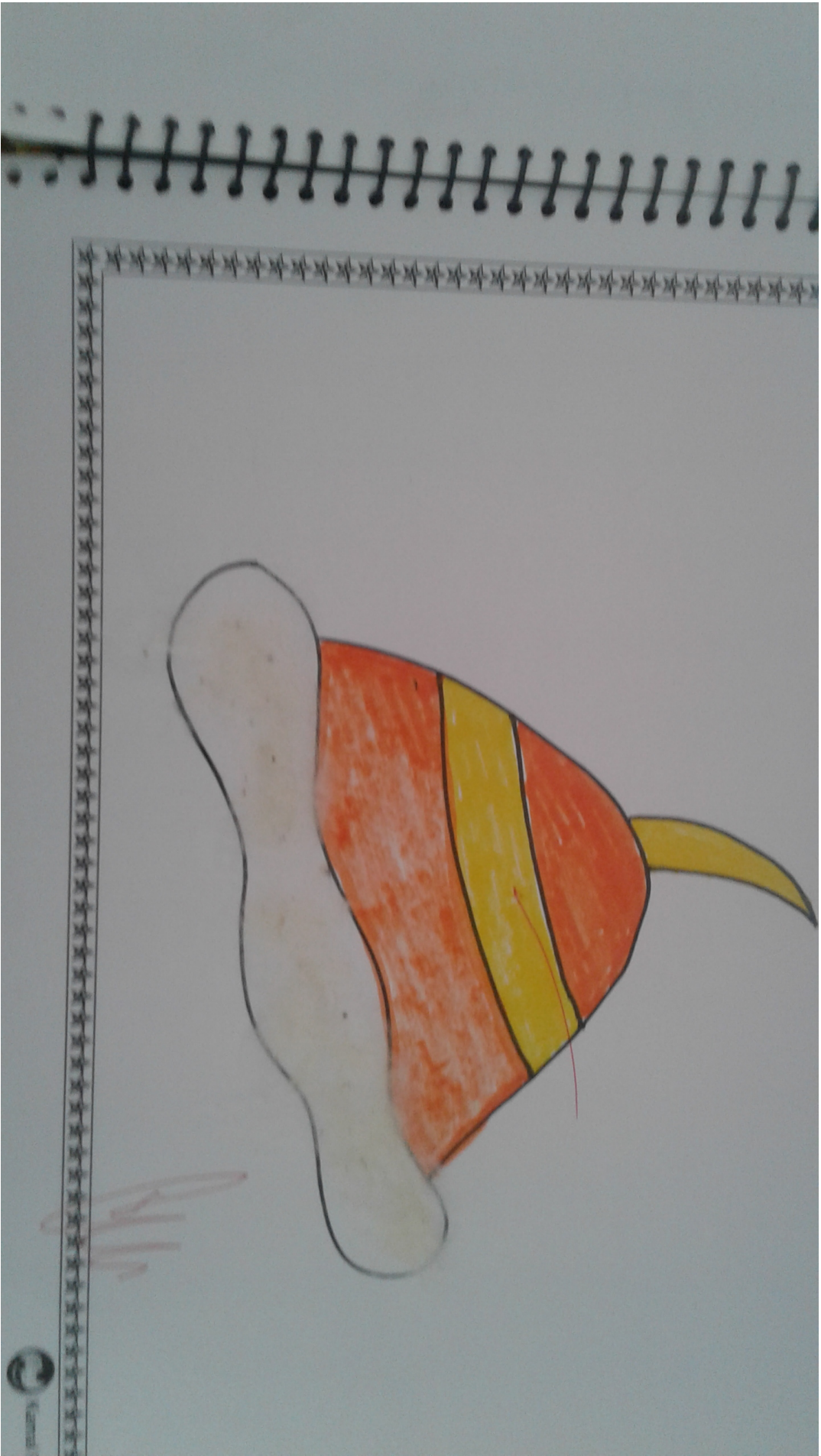
Bhootkola (Karnataka)
भूतकोला नृत्य (कर्नाटक)

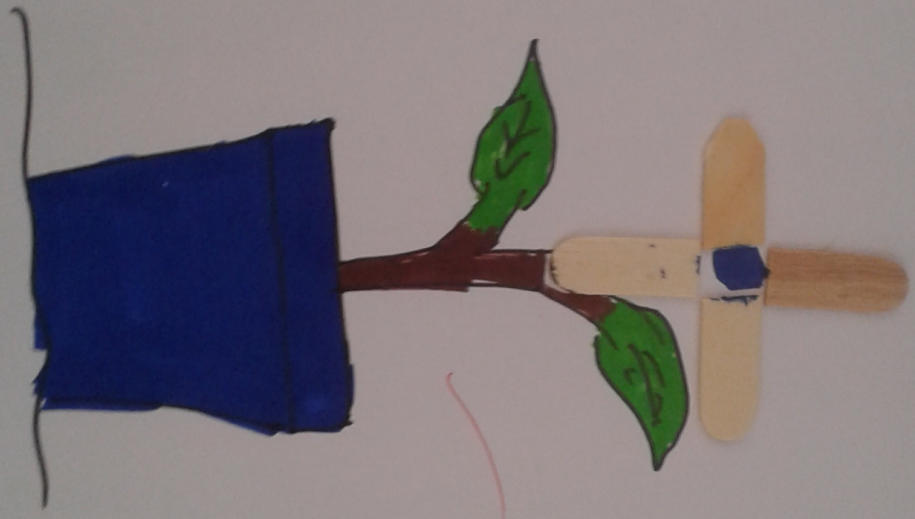
अ आ इ ई उ ऊ

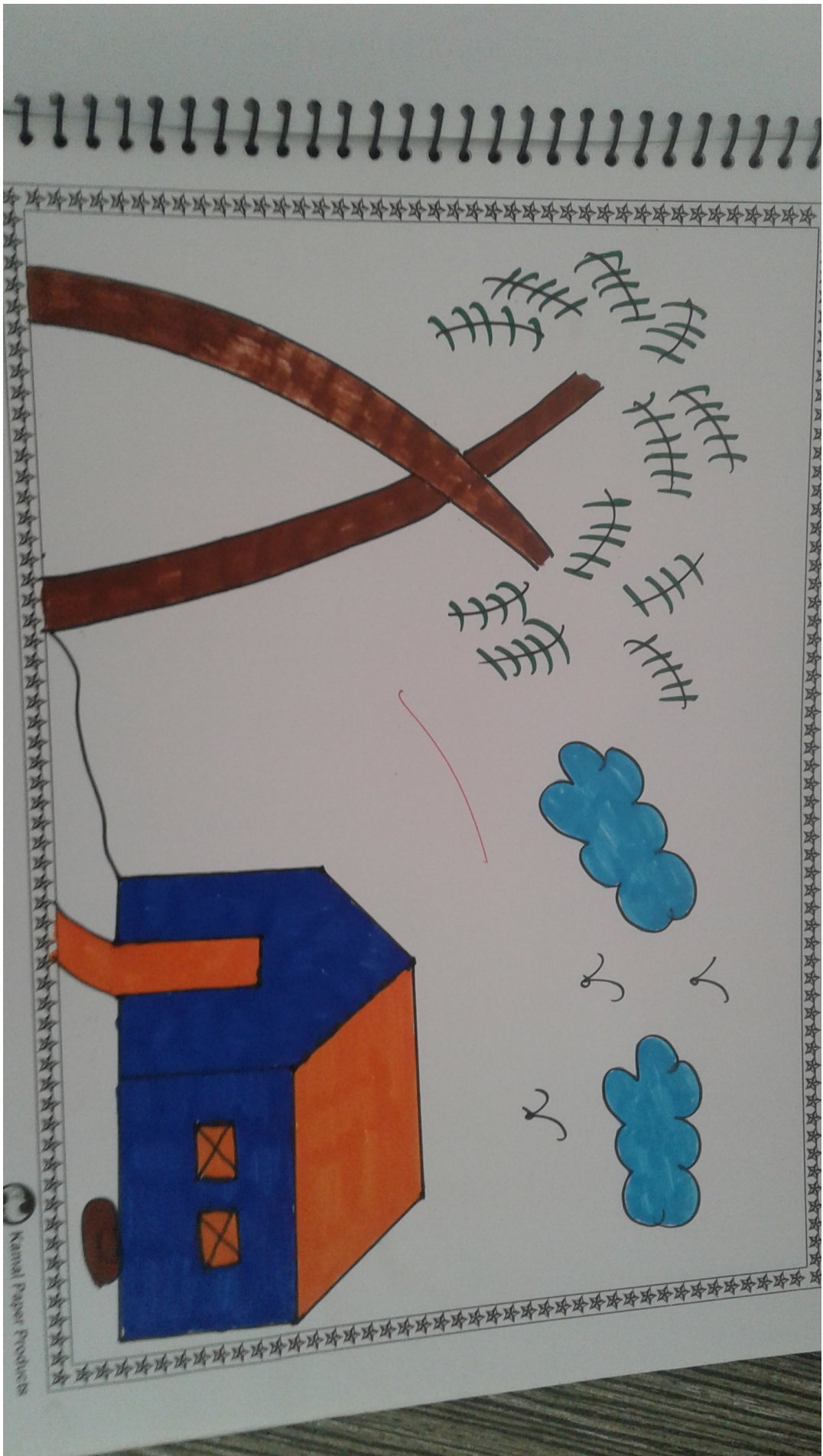
ऋ

ॠ ए ऐ औ ॐ



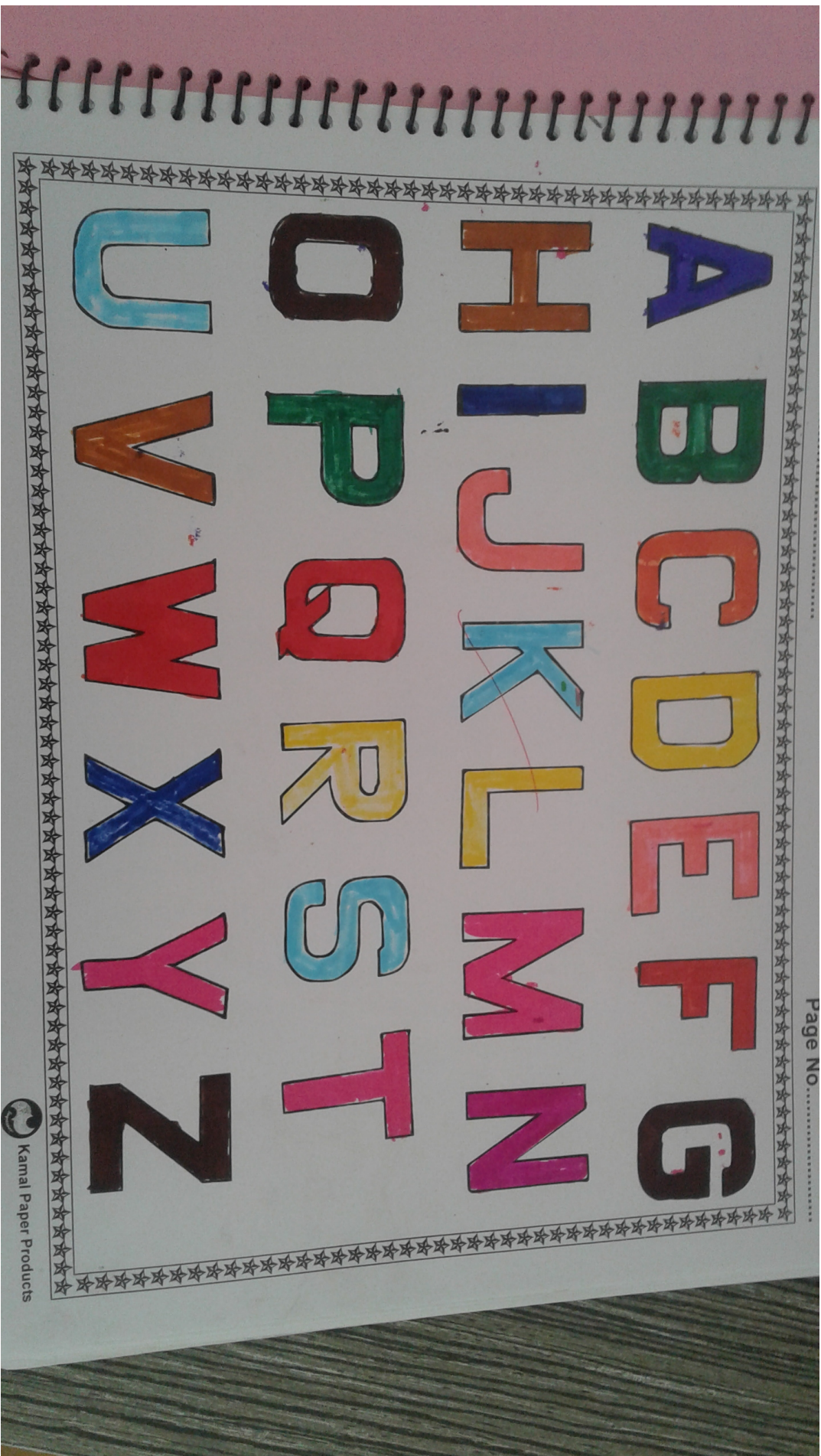






University Roll No.

क ख ग घ ङ च छ ज
झ ञ ट ठ ड ढ ण त
थ द ध न प फ ब भ
म य र ल व श ष स



Page No.

